विचार बिन्दु

अपना नाम सदा कायम रखने के लिए मनुष्य बड़े से बड़ा जोखिम उठाने, धन खर्च करने, हर तरह के कष्ट सहने, यहाँ तक कि मरने के लिए भी तैयार हो जाता है।

–सुकरात

स्व. बाबू हजारीलाल जी शर्मा एक विराट व्यक्तित्व – (1921-1985)

स्व. बाबू हजारीलाल जी शर्मा को उनसे परिचित सभी व्यक्ति हजारी बाबू कहकर पुकारते थे। हजारी बाबू से मेरा परिचय उनके ही एक मित्र स्व. राधेश्याम जी (भायाजी) (वे मेरे भी घनिष्ठ मित्र थे) ने कराया था। हजारी बाबू राष्ट्रदूत अखबार निकालते हैं, इनका एक केस है जो श्रम कानून से संबंधित है और मुझे औद्योगिक न्यायाधीकरण की आज्ञा के विरूद्ध राजस्थान उच्च न्यायालय में उचित कानूनी कार्यवाही करनी है। 'राष्ट्रदूत' में खरे नाम का एक व्यक्ति जो मैनेजर के पद पर कार्य करता था उसे मोरल टर्पिट्यूड (नैतिक परम्परा का उल्लंघन) के आरोप पर सेवा से मुक्त किया था। मैंने ट्रिब्यूनल का निर्णय पढ़ा और कहा, 'हाईकोर्ट में रिट् दायर करनी होगी' इस केस के संबंध में हजारी बाबू मेरे पास कई बार आये और धीरे-धीरे हमारे संबंध पारिवारिक हो गये और मुझे हजारी बाबू के विराट व्यक्तित्व को समझने का अवसर मिला। उनके स्वर्गवास के बाद उनके सभी पुत्रों से मुझे आदर व प्यार मिला। गत लगभग 10 वर्षों से मेरा लेख प्रत्येक शुक्रवार को अतिथि सम्पादक के रूप में छपता है। कुछ लेख दो खण्डों में पुस्तक के रूप में प्रकाशित हो चुके हैं। पुस्तक को 'भारतीय जनतंत्र संवैधानिक परिप्रेक्ष्य' शीर्षक दिया है। यहाँ मैं यह लिखना उचित समझता हूँ कि राष्ट्रदूत के अतिथि सम्पादक के क्रान्तिकारी विचार ने एक एडवोकेट को पत्रकार बना दिया। जलवायु परिवर्तन/कॉप के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुझे राष्ट्रदूत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला और अभी भी मैं कॉप में ई-मेल पर हूँ।

बाबू जी के संबंध में उनके सुपुत्रों से मुझे बहुत जानकारी प्राप्त हुई, उसकी जानकारी तथा स्वःअर्जित अध्ययन के आधार प्रस्तुत लेख उनकी स्मृति में मेरी श्रृद्धांजली है।

हिन्दी पत्रकारिता के प्रारम्भ बंगाल से हुआ। हजारी बाबू अपने प्रारंभिक जीवन में कलकत्ता रहे थे, वहां ही उन्होंने हिन्दी पत्रकारिता की शिक्षा ली थी। उन्होंने वहां पाया कि प्रेस को सामाजिक उद्देश्य से जोड़ना आवश्यक है। दिनांक 1 अगस्त 1951 को जयपुर में उन्होंने राष्ट्रदूत का प्रकाश प्रारम्भ किया और अखबार को सामाजिक उद्देश्य से जोड़ा रखा, जिसकी पालना अभी भी हो रही है। साथ ही तथ्य पूरक समाचार निडर होकर प्रकाशित किये जाते हैं। यों भी हजारी बाबू शिव की तरह फक्कड पत्रकार थे, सच व खरी सुनाने को वे अदभुत प्रतीभा के धने थे। वे पत्रकारिता के आदर्श पुरूष थे। उन्होंने कई युवाओं को पत्रकारिता से जोड़ा था। इनमें प्रमुख हैं कर्पूरचंद कुलिश, कमल किशोर जैन, तारा प्रकाश जोशी। उनके लिये यह प्रसिद्ध था कि मुख्यमंत्री जो भी बनता था वे बाबूजी के राष्ट्रदूत को अपना शत्रु मानते थे और गद्दी से उतरने पर वे ही उनके मित्र हो जाते थे। हजारी बाबू में किसी के प्रति भी दुर्भावना नहीं थी।

कुछ समय पूर्व एक समारोह में देश के एक यशस्वी पत्रकार ने कहा था कि 'मैं अखबार क्यों पढ़ूँ' क्योंकि प्रथम पृष्ठ जो मुख्य समाचारों का होता है उस पर विज्ञापन देखकर पढ़ने की इच्छा नहीं होती। मेरी जानकारी में 'राष्ट्रदूत' और 'दि हिन्दू' ऐसे अखबार थे जो विज्ञापन नहीं छापते थे। विज्ञापन पृथम पृष्ठ पर नहीं देखे गये।

राजस्थान का यह सपूत पत्रकारिता के विकास में विकास पुरूष के रूप में याद किया जावेगा। वे अन्तिम पायदान पर खडे व व्यक्ति के दर्द को समझते थे और बडे से बडे लोगों को बेनकाब करने में भी नहीं चूकते थे। उनकी जीवनी लोकतांत्रिक दशा व दिशा पर विचारों को उद्वेलित करने में समर्थ थी।

वे सादा जीवन जीते थे, सबसे मिलते थे पत्रकारिता के काम में वे कर्मयोगी थे। उनका अभिमत था कि सपनों का पीछा करते रहो जरूर पूरे होंगे। निर्भीक होकर, ईमानदारी से अपना काम करो यही उनका संदेश था। राष्ट्रदूत एक मात्र ऐसा अखबार है जो सत्य के अनेक शेड्स में समाचार प्रकाशित करता है। वे विनोद प्रिय थे। उनकी यह शैली उनके सम्पादकीय में झलकती थी एक समय राजस्थान में लोग सरकारी आदेशों को नहीं मान रहे थे। बाबूजी ने एक प्रसंग सुनाया और लोग आदेश मानने लगे। प्रसंग ब्रिटेन का है, जमाना आर्थिक मंदी का था, ब्रिटेन के लोग व्यापार में पूंजी न लगाकर सोना खरीद कर पुराने जेवरों की तरह नये जेबर बनाकर महिलायें पहन रहीं थीं। राज आदेश था नये जेवर नहीं बनायेंगे न पहिनेंगे। ब्रिटेन के लोग भी अन्य देशों की तरह ही हैं, वे भी आज्ञा की अवज्ञा का मार्ग ढूँढ लेते हैं। यहां ही महिलाये नये जेवरों को पुराने जमाने की तर्ज पर बनाकर पहनने लगीं। ब्रिटेन के फाइनेंस मंत्री को एक सिरफिरे व्यक्ति ने सलाह दी कि आप यह विज्ञप्ति निकालें कि 'चोर-बदमाश चरित्रहीन ही जेवर पहिनेंगे।' जनता पर इस विज्ञप्ति का असर हुआ।

राजेश शर्मा ने बातचीत में कहा कि बाबूजी का यह संदेश और सलाह थी कि 'बिना डरें, दो टूक सत्य कहना'। राष्ट्रदूत के बाबूजी के सभी पुत्र बचपन ही से इस मंत्र पर आचरण कर रहे हैं।

जैन धर्म की एक प्रार्थना, 'मेरी भावना' है। उसमें जो लिखा है हजारी बाबू उस पर खरे उतरते हैं। प्रार्थना की कुछ पंक्तियां इस प्रकार हैं:–

''रहे भावना ऐसी मेरी, सरल, सत्य व्यवहार करूँ।
देख दूसरों की बढती को, कभी न हिंसा भाव धरूँ।
या कोई कैसा ही भय या लालच देने आवे, तो भी,
न्याय मार्ग से मेरा, कभी न पथ डिगने पाये।''

कुछ समय पूर्व एक समारोह में देश के एक यशस्वी पत्रकार ने कहा था कि 'मैं अखबार क्यों पढ़ूँ' क्योंकि प्रथम पृष्ठ जो मुख्य समाचारों का होता है उस पर विज्ञापन देखकर पढ़ने की इच्छा नहीं होती। मेरी जानकारी में 'राष्ट्रदूत' और 'दि हिन्दू' ऐसे अखबार थे जो विज्ञापन नहीं छापते थे। विज्ञापन पृथम पृष्ठ पर नहीं देखे गये। सम्भवतः आर्थिक तंगी से और सरकार के उत्पीडन के कारण राष्ट्रदूत ने प्रथम पृष्ठ पर विज्ञापन छापा है वह समय कोरोना का था। आशा है परिस्थितियां बदलने पर पृथम पृष्ठ पर भविष्य में विज्ञापन नहीं छापने पर राष्ट्रदूत के प्रबंधक विचार करेंगे। हजारी बाबू के सुपुत्र राजेश शर्मा ने विश्वास के साथ कहा कि यह अखबार पत्रकारिता के उच्च मापदंडों पर अमल करता है और करता रहेगा। हजारी बाबू ने राज्य में अन्याय, भ्रष्टाचार, दुराचार, भेदभाव के विरूद्ध कई जन आन्दोलनों का समर्थन किया था। उनके सुपुत्रों ने इसी सिद्धान्त की पालना की है। यही कारण है राष्ट्रदूत एक निर्भीक, निष्ठावान व विश्वसनीय (भरोसेबंद) अखबारों में गिना जाता है। यह अखबार कभी भी स्वार्थ सिद्धि का साधन नहीं बना। आज भी यह अखबार अपनी विशिष्ट पहिचान बनाये हुये है।

आशा है हजारी बाबू का यह 'राष्ट्रदूत' अपनी विशिष्ट पहिचान, अनूठापन, निर्भीकता व निस्वार्थ भाव, विशिष्ट शैली तथा मर्यादा में रहकर पत्रकारिता के उच्च मापदण्डों के अनूरूप प्रकाशित होता रहेगा।

स्थितप्रज्ञ व विराट व्यक्तित्व के धनी, संघर्ष और स्वाभिमान के प्रतीक हजारी बाबू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रृद्धांजली के रूप में यह लेख प्रेषित है।

पुण्य आत्मा को शत् शत् नमन!

–पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट,
ईमेलः justicepcj@gmail.com
मोबाईलः 9829252173

पोकरण में ''मरू महोत्सव'' का भव्य आगाज़

पोकरण, (निसं)। जैसलमेर जिले में विख्यात मरू महोत्सव का समारोह पूर्वक भव्य आगाज गुरुवार को पोकरण से हुआ। पोकरण के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मैदान में आयोजित शुभारंभ समारोह में अल्पसंख्यक मामलात, वक्फ, उपनिवेशन मंत्री सालेह मोहम्मद एवं जिला कलेक्टर टीना डाबी ने गणेश प्रतिमा पर माला अर्पण कर व दीप प्रज्जवलन करने के साथ तिरंगे बैलून आसमान में उड़ाकर के मरू महोत्सव का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर बीएसएफ के कमांडेंट रणवीर सिंह, पूर्व जिला प्रमुख अब्दुल्ला फकीर, पूर्व प्रधान अमरदीन फकीर, उपखंड अधिकारी प्रभजोत सिंह गिल, पुलिस उपाधीक्षक रामेश्वर सहारन, तहसीलदार रणछोड दास, विकास अधिकारी गौतम चौधरी, किशोर कुमार, अधिशासी अधिकारी सुनील बिश्नोई, पूर्व अध्यक्ष आनंदी लाल गुचिया, नारायण रंगा सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, भारी संख्या में जन समुदाय, कलाकार, महिलाएं व बीएसएफ के जवान उपस्थित थे। वहीं नगरपालिका के अध्यक्ष मनीष पुरोहित सहित कई पार्षद मरू महोत्सव कार्यक्रम का बहिष्कार करते हुए बताया कि शहर के विकास के लिए क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री शहर के विकास को लेकर पालिका का बोर्ड के द्वारा शहर के विकास को लेकर कई बार मांगे उठाने के बाद भी नहीं करने के कारण पालिका अध्यक्ष सहित पार्षद जनप्रतिनिधियों में गहरा रोष व्यक्त किया। महोत्सव के दौरान सर्वाधिक रौचक प्रतियोगिता मिस्टर पोकरण में 7 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निर्णायक मंडल द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार भरत बोहरा तीसरी बार मिस्टर पोकरण चयनित हुए। वहीं महिलाओं के लिए सर्वाधिक आकर्षक प्रतियोगिता मिस पोकरण में बालिकाओं ने भारी उत्साह दिखाया एवं इस प्रतियोगिता में दस प्रतिभागी बालिकाओं ने सज धज कर वस्त्राभूषण के साथ भाग लिया। निर्णायक मंडल द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार नियति शर्मा मिस पोकरण चयनित हुई। महिलाओं की मटका रेस बहुत ही रोचक रही। जिसमें 12 महिलाओं ने भाग लिया। उसमें से आंगनबाडी कार्यकर्ता गंगा देवी विजेता रही। इसी प्रकार साफा बांधो प्रतियोगिता भी आकर्षक रही। इस प्रतियोगिता में दस प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागी को 2.30 मिनट में अच्छी तरह से साफा बांधना था, जिसमें दुर्जन सिंह भाटी विजेता रहे। इसी प्रकार पुरुषों एवं महिलाओं के बीच रस्साकशी प्रतियोगिता में महिला वर्ग में आंगनबाडी महिलाओं बनाम जिम की महिलाओं के मध्य रस्साकशी हुई। इसमें दोनों टीमों ने दमखम का प्रयोग किया। इस प्रतियोगिता में जिम की टीम विजेता रही। इसी प्रकार पुरुष रस्साकशी प्रतियोगिता में कपिल बनाम भंवरलाल की टीम के मध्य प्रतियोगिता हुई जिसमें कपिल की टीम विजेता रही।

पोकरण में मरू महोत्सव के तहत भरत बोहरा तीसरी बार मिस्टर पोकरण चुने गये।

- **महोत्सव के दौरान सर्वाधिक रौचक प्रतियोगिता मिस्टर पोकरण में 7 प्रतिभागियों ने भाग लिया**
- **जिला कलेक्टर ने मिस्टर पोकरण बने भरत बोहरा व मिस पोकरण बनी नियति शर्मा को सम्मानित किया**

महोत्सव के दौरान ख्यातनाम कलाकारों के साथ ही अन्य कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों द्वारा जनसमूह का मन मोह लिया। इस मौके पर गुणसार लोक संगीत संस्थान के कलाकारों द्वारा केसरिया बालम पधारो नी म्हारे देश व कालियों कूद पडियो मेला में के गीत पर कालबेलिया नृत्यांगना ने शानदार नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की वाहवाही लूटी। वहीं राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने राजस्थानी लोकगीतों पर शानदार लेजियम की प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर पदम श्री लाखे खान एंड पार्टी ने दमा दम मस्त कलंदर'गीत की प्रस्तुति पेश कर सभी को मोहित किया। इसके साथ ही पोकरण के रावताराम ने शुभ अवसरों पर प्रस्तुत किए जाने वाले भवाई नृत्य की प्रस्तुति देकर सभी का दिल लूटा। इन कलाकारों ने नुकीली कीलो व तलवार पर नृत्य किया एवं शानदार शारीरिक संतुलन का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान उर्मिला ने मराठी गीत पर भव्य नृत्य पेश किया।

इस दौरान जलाल खान ने गोल गोल लाडू पताशा शक्करपारा गीत की प्रस्तुति दी। वहीं छात्राओं द्वारा तेरहताली नृत्य पेश किया गया। अल्पसंख्यक मामलात मंत्री एवं जिला कलेक्टर ने मिस्टर पोकरण बने भरत बोहरा व मिस पोकरण बनी नियति शर्मा को ताज पहनाकर, मोमेंटो देकर व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं साफा बांधो प्रतियोगिता के विजेता दुर्जन सिंह भाटी, रस्साकशी पुरुष टीम के विजेता कपिल एवं उनके दल, रस्साकशी महिला टीम की विजेता व कप्तान जूही एवं उनके दल को शील्ड, स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही मटका रेस में विजेता रही श्रीमती गंगा देवी को भी स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह के दौरान अल्पसंख्यक मामलात मंत्री, जिला कलेक्टर, कमांडेंट बीएसएफ के साथ ही अन्य अतिथियों का उपखंड अधिकारी पोकरण, तहसीलदार, सरोज सोडा, नायब तहसीलदार अशोक कुमार, विकास अधिकारी किशोर कुमार ने हार्दिक स्वागत किया। मरू महोत्सव के कार्यक्रम का संचालन तरुण शर्मा एवं जतिंद्र कौर ने किया। प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लंबे समय तक बैठकर दर्शकों ने उत्साह के साथ देखा।

पिता के निधन के बाद बेटी के सिर पर बांधी पगड़ी

चौंमू/कालाडेरा, (निसं)। भारतीय समाज में पगड़ी की रस्म से अकसर बेटियों को वंचित रखा जाता है। रस्म है कि पिता के स्वर्गवास के बाद पुत्र ही पिता की पगड़ी धारण करता है, लेकिन चौमू उपखण्ड के गांव सामोद में सामाजिक बदलाव की बयार बह रही है।

यहां पशु चिकित्सा विभाग से सेवानिवृत्त वृद्ध पिता रामधन सेठी के देहांत के बाद उसकी शादीशुदा बेटी तारा देवी के सिर पर जिम्मेदारी की पगड़ी बांधी गई। गौरतलब है कि 22 जनवरी को रामधन सेठी के देहांत के बाद रामधन का परिवार टूट सा गया था। सेठी के परिवार को संभालने वाला कोई बेटा नहीं है उनके तीन बेटियां हैं। बड़ी बेटी तारा देवी, उस से छोटी निरमा देवी व सबसे छोटी बेटी सोना हैं। घर और मां की संपूर्ण जिम्मेदारी बड़ी बेटी तारा के ऊपर आ गई। गुरुवार को बड़ी बेटी तारा ने समाज में फैली भ्रांतियों और बेड़ियों को तोड़ते हुए पिता की पगड़ी बंधवाई।

सामोद में पिता के निधन के बाद बेटी तारा के सिर पर बंधी पगड़ी।

किसानों ने फसल खराबे के मुआवजे की मांग की

चूरू, (कासं)। जिले में किसानों की रबी फसलें पूर्णतया नष्ट हो जाने के कारण किसानों ने भारतीय किसान यूनियन चूरू के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम फसल खराबे का जायजा लेकर मुआवजा देने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया था, लेकिन फसल खराबे का आंकलन पटवारी और गिरदावरों की टीम ने तहसीलदार को 25 से 30 प्रतिशत खराबे की रिपोर्ट सौंपी, जिसके आधार पर किसानों को उचित मुआवजा मिलने की कोई गुंजाइश नहीं थी, जिसके विरोध में भारतीय किसान यूनियन चूरू के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर सैकड़ों किसानों के साथ धरना-प्रदर्शन किया।

धरने को संबोधित करते हुये भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग ने कहा कि सरकार चाहे केन्द्र की हो या राज्य की। सदैव किसानों के साथ धोखा करती आयी है, इसलिए किसानों को जातियों के खाँचों से बाहर निकल कर एकता रखनी चाहिये, जिससे हमारे हक और अधिकार सुरक्षित होंगे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन और किसानों में एक बारगी जबरदस्त तनाव उत्पन्न हो गया। उसके बाद सैकड़ों किसान सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुये उपखण्ड अधिकारी कार्यालय के आगे धरने पर बैठ गये। धरने को उप जिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, किसान यूनियन महासचिव विकास बुडानिया, शिवलाल, मनीराम, नोरंगलाल, राजेन्द्र बलारा, धर्मेन्द्र भाम्बू आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर सम्पत शर्मा, शिशपाल स्वामी, शिवभगवान नायक, मगनाराम मेघवाल, लिछमणसिंह राठौड़, शिशपाल मेघवाल, आयूष खिचड़, रामप्रताप, सुभाष खिचड़, लिछमणराम कस्वा आदि मौजूद थे।

कक्षा 6 के विद्यार्थी नहीं पढ़ पाये हिन्दी, कलेक्टर ने तीन शिक्षकों को नोटिस थमाया

मालपुरा, (निसं)। जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने गुरूवार को लाम्बाहरिसिंह बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण कर जनसुनवाई की। निरीक्षण के दौरान कक्षा 6 की चार छात्राओं द्वारा हिन्दी की किताब तक नहीं पढ़ पाने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए प्रधानाध्यापक रेणुका डांगी, हिन्दी के शिक्षक मो. सरीफ, अंग्रेजी के शिक्षक रामजीलाल को कारण बताओ नोटिस जारी करने हेतु शिक्षा विभाग के एडीपीसी रमेश सिंह को निर्देश दिये तथा 15 दिन बाद पुनः विद्यालय का निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्थाओं की जांच के निर्देश दिये।

जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों द्वारा जल-जीवन मिशन की योजना में घर-घर नल कनेक्शन के लिए तोड़ी गई सड़क की मरम्मत नहीं कराने, सफाई व्यवस्थाओं में सुधार नहीं होने, पंचायत द्वारा पट्टा आवेदन लिये जाने के बावजूद पट्टे जारी नहीं करने, पीएचसी को सीएचसी में कन्वर्ट करने, गौण मंडी के लिए बजट आंवटन करने, रिक्त पदों पर शिक्षक लगाने के लिए बालिका विद्यालय खेल मैदान आंवटित करने, बापू नगर विद्यालय में आंगनबाड़ी के लिए भवन की निर्माण स्वीकृति की मांग की।

पंचायत की जांच के दौरान चार माह से मनरेगा कार्य बंद होने, 108 पीएम आवास अधूरे होने, दो माह से आरो मिटिंग का रिकार्ड संधारण नहीं होने को लेकर ग्राम विकास अधिकारी सांवरलाल जाट के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुरारी लाल शर्मा को निर्देश दिये।

कालीहर्डिया विद्यालय में छात्र कुलदीप व छात्रा कोमल को अतिरिक्त शिक्षण सुविधा मुहैया करवाये जाने के निर्देश दिये। एसडीएम रामकुमार वर्मा ने चैनपुरा पंचायत के बस्सी विद्यालय में शिक्षा के स्तर की जांच की। सिकोईडिकोन संस्था व आई पार्टनर इंडिया कनाडा द्वारा रामजीपुरा में महिलाओं से संवाद कर शिक्षा के अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने मालपुरा के लाम्बाहरिसिंह के सरकारी विद्यालय में बच्चों का शिक्षा का स्तर जांचा।

- **पीएम आवास की शिथिलता पर ग्राम विकास अधिकारी को लगाई लताड़**
- **जिला कलेक्टर ने विद्यालय का औचक निरीक्षण कर जन सुनवाई की**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 3 फरवरी, 2023

माघ मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, पुनर्वसु नक्षत्र शनिवार प्रातः 9:16 तक, विष्कुम्भ योग दिन 1:01 तक, तैतिल करण सांय 6:58 तक, चन्द्रमा रात्रि 2:32 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज प्रदोष व्रत, विश्वकर्मा जयन्ती, कल्पादि, गुरू हरिदास जयन्ती, गुरू गोरखनाथ और मुनि धर्मनाथ जयन्ती है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 8:37 तक, लाभ-अमृत 8:37 से 11:19 तक, शुभ 12:40 से 3:00 तक, चर 4:44 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:15, सूर्यास्त 6:05

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों एवं आय में प्रगति होगी।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। धार्मिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

वृश्चिक
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखे। आज परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।